# <u>जो बच्चे ख़तरे में हैं उनके लिये वर्ल्ड वीकेन्ड ऑफ प्रेयर-2011</u>

## एक साथ मिल कर

यह प्रार्थना पत्रिका वास्तव में एक ख़ुशी है। सारे संसार में हजारों मसीह मिल कर जो बच्चे ख़तरे में है उनके लिये काम कर रहे हैं तथा यीशु मसीह के पद चिन्हों पर चलते हैं। जिस से परमेश्वर को अत्यन्त महिमा मिलती है तथा गवाही होती है वे एक दूसरे के साथ काम करने के लिए प्रेरित होते हैं। जो बच्चे ख़तरे में हैं उनके लिये बढ़ती हुई जरूरतों को निजी रूप से या समूह में अकेले ही संभालना सदैव एक बहुत बड़ा काम है। प्रोजेक्ट तथा संस्थाओं का एक दूसरे के साथ जुड़ने की शुरूआत को देखकर यीशु मसीह की गम्भीर प्रार्थना जो यूहन्ना 17 अध्याय में है पूर्ण होती जान पड़ती हैं।

यूहन्ना 17:20-23 ''मैं केवल इन्ही के लिये विनती नही करता, परन्तु उनके लिये भी जो इनके वचन के द्वारा मुझ पर विश्वास करेगें, कि वे सब एक हों। जैसा तू हे पिता मुझ में हैं और मैं तुझ में हूँ, वैसे ही वे भी हममें हों, इसलिये कि जगत प्रतिति करे, कि तू ही ने मुझे भेजा और वह महिमा जो तू ने मुझे दी मैनें उन्हें दी है कि वे वैसे ही एक हों जैसे कि हम एक हैं। मैं उनमें और तू मुझ में कि वे सिद्ध हो कर एक हो जायें और जगत जाने कि तू ही ने मुझे भेजा और जैसा तू ने मुझसे प्रेम रखा, वैसा ही उनसे प्रेम रखा''।

**<u>विभाग</u>**

यह पत्रिका निम्नलिखित विभागों में बँटी हैं, जिनका पूरे समाज में सात मुख्य घेरों पर प्रभाव पड़ता हैं।

- परिवार तथा शिक्षा
- व्यवसाय तथा सरकार
- माध्यम, कला तथा मनोरंजन
- घर्म

यह क्षेत्र विभिन्न संस्कृतियों विचारों तथा महत्त्वतों पर विभिन्न तरीकों से प्रभाव डालते हैं,जब कि इसमें कुछ प्रभाव अच्छे हैं तथा कुछ ऐसे कारण भी हैं जिनसे बच्चे 'खतरे में' आ जाते हैं। जब हम इन विषयों पर जो बच्चे सह रहे हैं तथा कहानी से पता चलता हैं कि कैसे हम इक्ट्ठे काम करते हैं तो हर विभाग एक उदाहरण बन जाता है। वास्तव में मसीही इस में बदलाव ला सकते हैं। हमारे लिये यह कहानियाँ प्रार्थनाओं के लिये प्रेरणा तथा अगुवाई हैं।

यद्यापि यह पुस्तिका है-वर्ल्ड वीकेन्ड ऑफ प्रेयर-2011 'जो बच्चे ख़तरे में' के लिये प्रस्तुत की गई हैं परन्तु जो बच्चे खतरे में हैं उनके लिये प्रोत्साहन तथा प्रार्थना में अगुवाई के लिये एक सामान्य स्त्रोत के रूप में भी उपलब्ध हैं।

## <u>परिवार तथा शिक्षा</u>

''शिक्षा गरीबी हटाने के लिये एक अच्छी नीति तथा बेहतर आर्थिक विकास कार्यक्रम है। सामान्यतः शक्तिहीन को शक्तिशाली बनाने का एक और बेहतर तरीका नही हैं तथा उनका भविष्य सीधे रूप में उनके अपने हाथ में है।''
आज के समय में एक बच्चे के जीवन पर दो प्रकार के प्रभाव पड़ते है एक अपने परिवार का अनुभव और दूसरा इसके शिक्षा के अवसर। दोनों ही क्षेत्रों में चुनौतियों के साथ संर्घष भी होता है। ऐसा लग रहा है कि अब ज्यादा परिवार टूट रहे हैं जो पृथ्वी के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ, प्राईमरी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की संख्या प्रगतिशील देशों में बढ़ रही है परन्तु विकास की गति बहुत धीमी है।

पारिवारिक जीवन तथा शिक्षा पर गरीबी का बहुत महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। अधिकतर परिवार अलग हो जाते हैं क्योंकि माता पिता में से किसी एक व्यक्ति को रोज़गार के लिये अक्सर घर से दूर रहना पड़ता है तथा जब माता पिता परिवार को पालने में सघंर्ष करते है तो वह दबाव से बचने के लिए शराब या नशे की लत में पड़ जाते है जिससे उन्हें तलाक लेना या अलग होने की संभावना ज्यादा होती है। शिक्षा प्राप्त करने के लिए गरीबी का बच्चों पर बहुत प्रभाव पड़ता है, अधिकतर बच्चे स्कूल जाने के लिए मुख्य आवश्यकताओं को पूरा करने में भी असमर्थ होते है।

क्या आप जानते है?
डेविज ग्रीन, जो इन्सटीयूट फॉर दा स्टडी ऑफ सिविल सोसायटी के निर्देशक हैं उनकी टिप्पणी ''यदि आप कोई भी कदम उठाऐं-बच्चें पढ़ाई में कितना भी अच्छा व्यवहार करते है, या वह अपराध की ओर बढ़े या आत्महत्या कर ले, परंतु दोनों माता पिता का होना ही उनके लिए बेहतर है''। 2011 का इन्टरनेशनल डे ऑफ फैमलीज़ का विषय ''परिवारिक गरीबी का सामना'' है जिसकी पुष्टि यूनाइटेड नेशन द्वारा की गई है।
टूटे परिवार ना केवल समाज पर मनुष्य के दुख का भार हैं परंतु आर्थिक रूप से भी वह भार हैं ।यू.के. में टूटे परिवार को जोड़ने में 20 डॉलर बिलियन खर्च हो जाते हैं।
दक्षिण एशिया में 35 मिलियन तथा सब सहारा अफ्रिका में 46 मिलियन प्राईमरी स्कूल की आयु के बच्चे स्कूल नहीं जाते।

.............................................................................

यू एन एसेमबली स्पेशल सेशन ऑन चिल्डरन–10 मई 2002

इफिसियों 6:4 ''हे बच्चे वालों अपने बच्चों को रिस न दिलाओ परंतु प्रभु की शिक्षा और चेतावनी देते हुए उनका पालन-पोषण करो।''

**<u>भारत</u>**

गीता (नाम बदला हुआ है) एक ग्यारह वर्षीय लड़की ने अपनी माँ को बचपन में ही खो दिया था। वह अपने पिता के साथ अकेली रहती थी। उसके पिता ने उस का यौन शौषण शुरू कर दिया। वह चुप चाप यह सब सहती रही, क्योंकि वह निश्चित नहीं कर पा रही थी कि वह क्या करे। एक दिन गीता की एक सहेली ने इस विषय में उनके शिशु सदन की देख भाल करने वाली दीदी को गुप्त रूप से यह बताया। वह महिला इस समस्या की गम्भीरता को देखते हुए बहुत क्रोधित हुई, वह विश्वास नही कर पाई कि एक पिता अपनी ही बेटी का यौन शौषण कैसे कर सकता है। किसी भी तरह वह गीता की सहायता करना चाहती थी। उसने गीता से बात करी और उससे पूछा कि वह इस विषय में क्या करना चाहती है। उसने इस तरह से गीता को इस निर्णय में हिस्सा लेने के लिए एक मौका दिया।

गीता ने देख भाल करने वाली दीदी से कहा कि वह अपनी नानी के साथ रहना चाहती है। इस तरह गीता को उसके अत्याचारी पिता से अलग किया गया और अब वह अपनी नानी के साथ रहती है। शिशु सदन की वह दीदी अभी भी गीता के पास जाती हैं, उसके साथ काम करती है और उसे सलाह देती हैं।

उस देख भाल करने वाली महिला ने यह सब प्राप्त करने के लिए क्या किया? यह हुआ उस शिक्षा के कारण जो वीवा आशा फोरम नेटवर्क, बैंगलौर द्वारा दी गई थी। 'चिल्डरन आर प्रोटेक्टिड' ने उस महिला को सक्षम बनाया कि वह अपने संकोच पर काबू पा कर इस नाजुक परिस्थिति का हल कर पाये, जिस के द्वारा गीता को सही मार्ग पर ले जाना सम्भव हो सका।

**<u>श्रीलंका</u>**

उत्तरी श्रीलंका जाफना में नागरिक युद्ध के समय शरमा का जन्म हुआ था उसके माता-पिता इतना डरे हुए थे कि उसके जन्म के रजिस्ट्रेशन के लिए भी गाँव से बाहर नहीं निकले। यह 12 वर्ष पहले की बात है।
अभी तक उसके पास जन्म का प्रमाण पत्र नहीं है अपनी जन्म तिथि के बारे में वह निश्चित नहीं है। इस कारण वह स्कूल दाखिले के लिए भी रजिस्ट्रेशन नहीं कर पाई। शरमा के माता-पिता युद्ध में जीवित नहीं बचे इसलिए उसे शरणार्थी के कैम्प में रहना पड़ा उसका अपना कोई नहीं था और ना ही उसे कोई जानता था।

..........................................................................

http://www.childinfo.org/education.html

उस परिवार का धन्यवाद जिन्होनें सहानुभूति से इसे अपना मित्र बनाया जिससे इसे पालम में स्थित बच्चों के अनाथालय में,जो चर्च आधरित प्रोजेक्ट है तथा जो बच्चे ख़तरे में हैं उनकी सहायता करते हैं, शरण मिली। इस प्रोजेक्ट की सहायता से शरमा का जन्म का रजिस्ट्रेशन हो गया, जिससे वह अब स्कूल जा सकती है तथा उसे बेहतर भविष्य के लिए पढ़ने का अधिकार मिला।

**<u>पाकिस्तान</u>**

आलिया के तीन बच्चे थे जब उसका पति किसी दूसरी महिला के साथ घर छोड़कर भाग गया। वह बच्चों को पालने के लिए उसे अकेला छोड़ गया। उसने बहुत-सी नौकरियाँ कीं परंतु अच्छा वेतन नहीं पा सकी। उसके 13,11तथा 8 वर्ष की आयु के बच्चों को अपना स्कूल छोड़ना पड़ा क्योंकि वह फीस नहीं दे पाते थे।

किसी तरह स्थानीय चर्च द्वारा वीवा के सिटि नेटवर्क, जो रावलपिण्डी में है, आलिया का परिचय हुआ। पूरा समूह उसके घर गया और परिवार के लिए प्रार्थना की तथा चर्च व अन्य स्थानीय प्रोजेक्ट के साथ मिलकर आलिया के बच्चों के लिए स्कूल, पुस्तकों तथा यूनीफार्म की व्यवस्था की।

हम सब मिलकर प्रार्थना करें जिससेः-

- जो बच्चे पूरे घर का पालन-पोषण करते हैं तथा पारिवारिक जीवन को एक साथ रखने की कोशिश करते हैं उनको भावनात्मक तथा व्यवहारिक सहायता दी जाए।

- माता-पिता में से एक जन जो घर के सदस्यों का पालन-पोषण करते हैं - अधिकतर ऐसे परिवारों की मुखिया वह महिलायें होती हैं जिन का दुरूपयोग तथा शोषण किया जाता है। इनकी सहायता करके गरीबी से बाहर निकलने का रास्ता दिखाया जाये।
- गराबों को शिक्षा का अवसर मिले।
- बच्चों को पूर्ण शिक्षा का अनुभव हो उनकी आत्मिक शारिरीक व, स्वास्थ्य सम्बन्धी पोषण संबंधी तथा शैक्षिक जरूरतों व जीवन के मूल निपुणता को सीखने को अवसर मिले।
- मसीही जो शैक्षिक क्षेत्र में हैं वह प्रभु के राज्य के सिद्धातों पर चलकर सबको प्रभावित कर सकें।

..........................................................................................

यू.एन जनरल एसेम्बली सेशन ऑन चिल्डरन 10 मई 2002 मौदे बारलो वॉटरएस कोमोडिटी द रोन्ग प्रेस्क्रिप्शन, द इन्सटीटयूट फॉर फूड एण्ड डेवेलोपमेन्ट पॉलिसी, बैकग्राऊन्डर, समर 2001, वोल 7 न-3 साईटिड ऑन http://www.urbanministry.org/global-proverty.statistics

http://iafr.org/downloads/map%200f%refugee%Highway%20v201006.pdf.

## विचारणीय उत्तरदायित्व

अपने आस-पास स्थानीय समुदायों की आवश्यकताओं को देखें क्या कोई ऐसा परिवार है जिन्हें सहायता की आवश्यकता है? क्या ऐसे बच्चें है जिन्हें अपना बचाव अपने आप ही करना है? क्या ऐसे बच्चें हैं जिन्हें शैक्षणिक सहायता की आवश्यकता है? क्या आप ऐसे व्यक्तियों को जानते है जो शिक्षा सम्बन्धी व्यवस्था में काम करते है, क्या आप इन सबके लिए नियमित रूप से प्रार्थना करने के लिए तैयार है?

## व्यवसाय तथा सरकार

''यह हमारी नागरिकता के लिए एक भंयकर दोष है कि आर्थिक विकास, नई तकनीक की नीतियां तथा बहुत से देशों में बहुतायत से भोजन होने के बाद भी पूरे संसार में 800 मिलीयन से ज्यादा लोग, अधिकतर महिलाएं व बच्चें प्रतिदिन भूखे रहते हैं''

यूनाइटेड नेशनल जनरल एसेम्बली

राष्ट्रो में भविष्य की सैकड़ों पीढ़ीयों को दो प्रकार के घेरे बना या बिगाड़ सकते है, कानूनी तथा व्यापारिक व्यवसाय में बहुत प्रभाव डाल सकते हैं, चाहे वह बुरा हो या अच्छा।

यह एक बढ़ती हुई बुलाहट है कि छोटी या बड़ी सस्थाएं मालिकाना स्तर तथा संगठित समाज की ओर जो उनकी जिम्मेदारी है उन्हे सिद्ध करें। ज्यादातर व्यवसायियों को उद्देश्य मृत्यु संख्या में कमी तथा अच्छे अभ्यास के बदले केवल आर्थिक लाभ होता है। भ्रष्टाचार के बहुत से रूप सामने आते हैं जो बहुतों के लिए सरकारी उद्देश्य बन जाता है न केवल व्यवसाय अभ्यास तथा विधि निर्माण को रूप देता है परंतु पूरे समाज तथा ससांर के समुदायों के मूल पद्धति में प्रवेश कर जाता है।

क्या आप जानते है किः-

- पूरे संसार में लगभग 218 मिलियन 5 से 17 वर्ष की आयु के बच्चों को मजबूरी में काम करना पड़ता है।
- आज संसार में 42 मिलियन से ज्यादा लोग युद्ध के कारण बेघर हो गए है या सताये जाते हैं। इन में से आधे 18 वर्ष से कम आयु के हैं। सबसे ज़्यादा सूडान, ईराक, कोलम्बिया तथा अफगानिस्तान में अधिक संख्या में लोग उनके स्थान से हटा दिए गए।
- 50% से कम शराणार्थी बच्चे स्कूल जा पाते हैं उनको भविष्य की सुरक्षा तथा आराम की बहुत कम आशा होती है।

...........................................................................

भजन संहिता 89:14 ‘‘ तेरे सिंहासन का मूल धर्म और न्याय है, करूणा और सच्चाई तेरे आगे-आगे चलती हैं।’’

**<u>यूनाइटेड किंगडम</u>**

यू.के. के हैवन्स एटीक, उपहार तथा और सामान के एक थोक विक्रेता हैं। यह एक आश्चर्यजनक उदाहरण है कैसे एक व्यवसायी ने जो बच्चे ख़तरे में हैं, उनके लिये अन्याय के विरूद्ध आवाज़ उठाई। वह कहते हैं ‘‘हम हृदय से विश्वास करते है कि सही चुनाव के द्वारा इस संसार में हम सही बदलाव ला सकते है तथा दूसरों को महत्त्व दे सकते हैं। हम अपना वार्षिक लाभ अच्छे कामों के लिये बाँट देते हैं। तथा हम प्रयास करते हैं कि अपने उत्पादन दूसरे समुदायों से मगाँयें।’’

दूसरा छोटा व्यवसाय ‘‘प्रोसपेरिटि ब्राऊनीज’’ मज़बूत सिद्धान्तों के साथ लाभ का 10 प्रतिशत बच्चों की भलाई के लिये देने की प्रतिज्ञा करते हैं। यह है उन का मजेदार सन्देश।

लाभ-जी हाँ! बहुत धन चाहिये ख़तरें से घिरे बच्चों के जीवन में सुधार लाने के लिये।

प्रसन्नता- यह हमें बहुत मिलती है जब हम आप का धन गरीब बच्चों का सतर उँचा उठाने के लिये भेजते हैं।

उद्देश्य-हम सब के पास है, यह हमारा है आप का का भी बन सकता है।

**<u>एल सैलवाडोर</u>**

बुरे व्यक्तियों का समूह होने के कारण अंहिसा एक बहुत बड़ा विषय है जो समुदायों पर तथा एल सैलवाडोर के बच्चों पर प्रभाव डालता है। वीवा के स्थानीय नेटवर्क ने एक महत्त्वपूर्ण संगढित कार्यक्रम ‘‘बच्चों के लिये अच्छे व्यवाहार का प्रोत्साहन’’ प्रारम्भ किया। इस नये काम के लिये वास्तविक रूप से अगुवा स्वंय यह बच्चे ही हैं जो ‘‘शान्ति के दूत’’ कहलाते हैं। इन बच्चों ने विभिन्न समुदायों यहाँ तक कि एल सैलवाडोर के उप राष्ट्रपति का भी ध्यान अपनी ओर खींचा हैं तथा कुछ और सरकारी अधिकारी भी इस में शामिल हो गये । इन अधिकारियों ने अब अपने आप को अहिंसा रोकने के लिये साथ मिलकर काम करने के लिये समर्पित कर दिया।

हम सब मिलकर प्रार्थना करें जिस से :-

- वह पुरूष व महिलायें जो व्यवसाय में हैं, पीड़ित तथा जो बच्चे ख़तरे में हैं उन की सहायता करते हैं आशीष पायें तथा और लोगों के लिये भी एक उदाहरण बनें।

- बहुत से व्यवसायी जिन के समुदाय में जो बच्चे ख़तरे में हैं उनकी आवाज़ सुनें तथा अपने बल पर इस काम में आगे बढ़े।
- विशेष रूप से सरकारी विधायकों द्वारा धार्मिकता तथा व्याय सामने आये।
- जो सरकार के लिये चुने गये हैं उनके पवित्र उद्देश्य हों कि चुने हुये अगुवे अगली पीढ़ी तथा जिन का जन्म होना हैं उन पर दया करें।
- मिलिनियम डेवलोपमन्ट गोल्ड के लिये सरकार को उनको पूरा करने की प्रतिज्ञा के लिये बुलाया जाये तथा 2015 तक उनको पूरा करने का प्रयास करें।

विचारणीय उत्तरदायित्वः-
मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने कहा ''न्याय की श्रेष्ठता तब होती है जब प्रेम से वह सब सुधारा जाए जो प्रेम के विरूद्ध है।'' हमारे समुदायों में आज प्रेम द्वारा क्या अन्तर लाया जा सकता हैं? स्थानीय सरकार में किस प्रकार यह दिखाई देगा? वह स्थानीय तथा छोटे व्यवसायों या बड़े राष्ट्रीय स्तर पर हो उस में हमारी ज़िम्मेदारियाँ कैसे दिखाई देंगी और इस में हम कैसे व्यस्त रह सकते हैं?

## <u>माध्यम, कला तथा मनोरंजन</u>

सामाजिक समावेश स्वास्थय व अपराध स्मबन्धी विषयों को स्मबोधित करने में संस्कृति, अवकाश व खेल के महत्त्व बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। '' हम परमेश्वर के स्वरूप में बनाये गये हैं तथा रचनात्मक हैं इसीलिये हमें आश्चर्य नही करना चाहिये कि यह घेरे छुटकारे के रूप में प्रभावित करते हैं''।

अभी कुछ वर्षों से तकनीकी बढ़ोतरी ने संचार माध्यम, कलाओं तथा मनोरंजन को बढ़ावा दिया है जिस से आने वाली पीढ़ीयों पर भी अच्छा प्रभाव पड़ेगा।

आँकड़ो के अनुसार यू.के. तथा यू.एस.ए. में बहुत से बच्चे अब सूचनायें पाना तथा जीवन की निपुणता टेलीविज़न से सीखते हैं, घर या स्कूल में इतना नही सीखते। यह अच्छा या बुरा हो सकता हैं, यह निर्भर करता हैं कि इन सामाजिक घेरों का निर्णय कौन लेता तथा बनाता हैं। बच्चे माध्यम का दुरूपयोग करते हैं तथा गलत तस्वीर देखने के कारण शोषित होते हैं तथा ज्यादा खतरे में हैं।

## <u>क्या आप जानते हैं?</u>

बच्चों पर प्रभाव के विषयों तथा उनके अधिकार के बारे में बताने के लिये माध्यम की महत्त्वपूर्ण भूमिका हैं। बच्चों के अधिकारो का आभाव व शौषण, की ओर जागरूकता

का श्रेय संचार माध्यम को दिया जा सकता है। सात में से एक बच्चा जो इन्टरनेट प्रयोग करता हैं किसी न किसी रूप में वह काम वासना में पड़ जाता हैं।

उत्पत्ति 1:31 ‘‘तब परमेश्वर ने जो कुछ बनाया था सब को देखा तो क्या देखा कि वह बहुत अच्छा है। तथा सांझ हुई फिर भोर हुआ। इस प्रकार छठवां दिन हो गया।’’

<u>कम्बोडिया</u>

10 वर्षीय वेन्ग कम्बोडिया के एक गरीब गाँव में रहती हैं। एक दिन जब वह जंगल में अपने घर से दूर लकड़ियाँ इक्ट्ठी कर रही थी तभी एक आदमी ने उस के पास आकर बात करनी शुरू कर दी। उस ने अपनी पहचान छुपाने के लिये पूरे चेहरे पर मिट्टी लगा रखी थी तथा चाकू दिखा कर उसे डरा कर कहा जो उसने उसके साथ किया है यदि किसी को कुछ बताया तो वह उसे मार डालेगा। वेन्ग बहुत घायल हालत में व डरी हुई घर लौटी।

वेन्ग के घावों का इलाज हुआ और शारिरिक रूप से वह ठीक होने लगी। शुरू में तो वह कुछ बोल नही सकी। सब से पहले तो थेरेपिस्ट उसके साथ चुपचाप बैठा रहा फिर उस ने एक कागज़ पर तस्वीर बनानी शुरू कर दी तथा वेन्ग को भी अपने साथ तस्वीर बनाने के लिये बुलाया। वेन्ग ने लाल मोमी रंग उठाया और मुस्कुराई। जल्दी ही दोनों मिलकर फोटो बनाने लगे धीरे-धीरे उसका विश्वास बढ़ने लगा। वेन्ग ने एक फोटो बनाई जिसमें एक छोटी चिड़िया के पंख टूटे हुये थे। वेन्ग ने रोना शुरू कर दिया फिर बोली ‘‘चिड़िया बहुत उदास है वह सोचती है कि अब वह दोबारा कभी नही उड़ सकती।

किसी ने उसके पंख तोड़ दिये हैं। चिड़िया का सपना अपने परिवार के साथ रहना है लेकिन वह डरती हैं क्योकि पेड़ पर बहुत सी बुरी चीजें रहती हैं जो छोटी चिड़िया को दुख देती हैं इसीलिये छोटी चिड़िया अपने घर पहुँचने के बाद भी सुरक्षित नही है।’’

यद्यपि तस्वीर तथा कहानी वेन्ग ने बनाई थी, उसको अपनी आवाज़ उठाने तथा दर्द दर्शाने का अवसर मिला। उसने जल्दी ही जान लिया कि उसे संगीत व नृत्य पसन्द है तथा कला थेरेपिस्ट की सहायता से धीरे-2 उसने लोगों पर विश्वास करना शुरू कर दिया तथा अपने आप को खुश व सुरक्षित महसूस करने लगी।

.....................................................................

यू के गोवरमेन्ट डिपार्टमेन्ट फोर कल्चर, मिडिया एन्ड सपोर्ट

<u>http://www.childinfo.org/files/sowc-speced-crc-EN-2010</u> pdf

internet Filter Review, citedon http:/www.safefamilies.org/sfstats.php

<u>www.ragamuffinproject.org</u>

## यूगान्डा

सीटींग डक मीडिया ने एक नया कार्यक्रम जिसे कोम्युनिटि एलबम कहते हैं शुरू किया, जिसमें संगीत, फोटोग्राफी तथा वीडियो द्वारा पूरे संसार में गरीब समुदाय को एक आवाज़ दी हैं। जिन परेशानियों का वह सामना कर रहे हैं उन विषयों पर जानकारी दी हैं। कुछ हफ्तों पहले वह वीवा सिटी-वाईड नेटवर्क कम्पाला के साथ काम करने गये थे, एक छोटी विडियो फिल्म बच्चों को सुरक्षित रखने पर तैयार की।
यह क्लिप यूगान्डा पार्लियमेन्ट के सामने प्रस्तुत की गई तथा कुछ बातों के लिये निवेदन किया गया जैसे जो बच्चों अयोग्य हैं उनके लिये बेहतर सरकारी सहायता तथा जब बच्चों के खिलाफ किये गये अपराध पर जाँच हो, तो ज़्यादा समाज सेवक पुलिस की सहायता के लिये हों। इस के परिणाम में सरकार ने सब निवेदनों को पूरा करने के लिये प्रतिज्ञा की तथा औरों के सुझाव पर भी काम कर रहे हैं।

हम सब मिलकर प्रार्थना करें जिससेः-

- आज के समय में जिन विषयों का बच्चे सामना कर रहे हैं उसके लिये जो माध्यम में काम कर रहे हैं वे किंगडम के सिद्धान्तों का प्रयोग करें जिससे करूणा तथा ईश्वरीय उत्तर की धारणा दर्शको में प्रभावित होती है।
- उनका पक्ष लिया जाये जो आने वाली पीढ़ी का मन सकारात्मक करने के लिये प्रभाव डालते हैं।
- जिनके विचार परमेश्वरीय नही हैं वह सामने लाए जाऐं और जो बच्चों के विचारो को दूषित करते हैं उनसे उनकी रक्षा की जाये।
- रचनात्मक कला तथा मनोरंजन परमेश्वर की महिमा के लिये प्रयोग किया जाये जिसके बच्चे परमेश्वर के कामों के बारे में वर्णन कर सकें।
- जो बच्चे ख़तरे में हैं उनके लिये लोग काम करें उन्हें दैविक नीति प्राप्त हो तथा जो बच्चे घायल व जिनका दुरूपयोग किया गया उन्हें छुड़ाने में सहायता करें।

विचारणीय उत्तरदयित्त्व :- माध्यम तथा मनोरंजन का हम पर या बच्चों के जीवन पर कितना प्रभाव पड़ता है। क्या यह प्रभाव अच्छा है? हमारे जीवन या समुदाय में कौन सी बच्चों संबंधी कहानियाँ समाचार के योग्य घटी है? हमारे स्थानीय माध्यम कैसे अच्छी कहानियाँ पा सकते हैं? हम अपनी रचनात्मकता को कैसे दर्शा सकते हैं और खासकर बच्चों को कैसे बढ़ावा दे सकते हैं?

## धर्म

''जैसे मैं ससांर का नहीं वैसे ही वे भी संसार के नहीं, सत्य के साथ उन्हें पवित्र कर तेरा वचन सत्य है। जैसे तू ने जगत में मुझे भेजा, वैसे ही मैंने भी उन्हें जगत में भेजा। और उनके लिये मैं अपने आपको पवित्र करता हूँ ताकि वे भी सत्य के द्वारा पवित्र किये जायें। यूहन्ना 17:16.19

चर्च के पास एक बहुत बड़ा अवसर है कि इस प्रभाव के घेरे में चमकें। इस क्षेत्र में जब हम मिल कर काम करते हैं तो हम यीशु मसीह की सच्चाई तथा प्रेम के बदलाव की शक्ति को उपलब्ध करते हैं।

राजनीति, आर्थिक तथा सांस्कृतिक प्रसंग जिनमें बच्चों का जन्म हुआ है, महत्त्वपूर्ण जीवन के अवसर है। संसारिक धारणायें (चाहे धार्मिक या धर्मनिरपेक्ष) बच्चों की योग्यता को आकार देती है जिस से वह अपने जीवन की भावनात्मक व आत्मिक पहलूओं में बँध व बढ़ सकें ।

इतिहास में हम बहुत से उदारण देखते हैं जिन्होनें धर्म के नाम पर काम किये। परन्तु इसके विपरीत हम परमेश्वर के प्रेम को यीशु मसीह द्वारा देखते हैं या जानते हैं।

पूरे संसार में किसी एक धर्म या संसार के दृष्टिकोण को सब से बुरा या बच्चों के लिए सब से अच्छा नहीं कह सकते और हमें एक दूसरे से बहुत सीख मिल सकती है। हमें धर्मी जनों के विश्व के बच्चों पर अच्छे प्रभाव पर .ज्यादा विश्वास रखने की जरूरत है खास कर एक चर्च की तरह और जैसा कि उपर दी गई यीशु मसीह की प्रार्थना में है।

## क्या आप जानते हैं?

- अफ्रीका के देशों में कोई भी समूह यहाँ तक कि सरकारी समूह भी स्वास्थ्य की देखभाल नहीं करते परन्तु 40% आधारित समूह स्वास्थ्य की देखभाल करते हैं।
- नेपाल में 70 चर्चों से भी ज्यादा सब मिलकर बच्चों को शारीरिक शोषण से बचाते हैं, जवान लड़कियों को भारत की सीमा पर ले जा कर उनका शोषण किया जाता है यह सब मिलकर उनकी रक्षा करते हैं।

---

http://www.tearfund.org/webdocs/compaigning/policy%20and%20research/Faith%20untapped.pdf

- एड्स से प्रभावित पूर्वी तथा दक्षिणी अफ्रीका मे लगभग 2,50,000 कलिसिया के सदस्य 12 मिलियन अनाथों के लिये काम करते हैं। बहुत से चर्च हैं जो ज्यादा से ज्यादा प्रभावशील काम करना चाहते हैं लेकिन जानना चाहते है कि कैसे उनकी सहायता की जाये।

याकूब 1:27 ''हमारे परमेश्वर और पिता के निकट शुद्ध और निर्मल भक्ति यह है कि अनाथों और विधवाओं के कलेश में उनकी सुधि लें, और अपने आपको संसार से निष्कलंक रखें।''

## कोन्गो का लोकतान्त्रिक गणतन्त्र

12 वर्षीय बेलिन्डा बैचेन व परेशान है तथा उसका व्यवहार अच्छा नहीं हैं। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है। उसकी आँटी की मृत्यु के बाद उसकी अपनी माँ ने उसको 'डायन' कहकर उसी पर दोष लगा दिया। बेलिन्डा के आँकल ने जलती हुई लोहे की छड़ उसकी कमर तथा टाँगों पर लगाकर उसे सजा दी।
किसी तरह बेलिन्डा वहाँ से भागने में सफल हो गई तथा स्थानीय चर्च में शरण ली जो अभी कुछ दिनों पहले ही शुरू हुआ था जहाँ बेलिन्डा जैसी लड़कियाँ शरण पाती थीं। इस शरणस्थान में आने के बाद या तो वह व्यक्ति वापिस अपने घर लौट जाता है या अपने पालक परिवार के साथ चला जाता है। समूह की ओर से शरणार्थी बेलिन्डा की देखभाल, अगुवाई तथा प्रेम किया जाता है। यद्यपि अभी भी उसके व्यवहार में कमी है, होम के सदस्य परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उसके शारीरिक तथा भावनात्मक घावों को चंगा करें।

## कोस्टा रीका

सिटी ऑफ गॉड चर्च की कलिसिया के सदस्य 500 से भी ज्यादा सैन जोस के बहुत गरीब बच्चों के साथ काम कर रहे हैं वह जानते हैं कि यह बहुत आवश्यक है कि बच्चों की हर सम्भव अच्छी देखभाल की जाये तथा उनका ध्यान रखा जाये इसीलिये उनकी सुरक्षा के तरीकों को सुधारने के इच्छुक थे।

बच्चों की सुरक्षा के बारे में प्रशिक्षण लेने के बाद पास्टर ने सबसे पहला काम किया कि बच्चों के कक्षा के कमरे में विन्डो की स्थापना की '' जिससे हम सदा उन बच्चों पर नज़र रखें व एक दूसरे पर भी ध्यान दें।

चर्च के अगुवों ने इक्टठे होकर चर्च की सुरक्षा नीति जो वास्तव में कलिसिया से सम्बन्धित है उस पर काम किया, यदि बच्चों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है तो उसकी रिपोर्ट तैयार करनी सिखाई। परिणामस्वरूप बहुत से बच्चों के शोषण की घटनाओं को बताया गया, तथा चर्च के सभी सदस्यों को भी विश्वास हो गया कि अब बच्चे ज्यादा सुरक्षित हैं।

**हम सब मिलकर प्रार्थना करें जिससे :-**

- मसीही उन स्थानों पर हों जहाँ से सकारात्मक प्रभाव डाल सकें जो बच्चे खतरे में हैं उनके लिये अन्याय के विषयों पर बोलने के लिये आवाज़ उठायें।
- स्थानीय चर्चो द्वारा समुदायों तथा जिन बच्चों को आवश्यकता है उनके पास पहुँच कर परमेश्वर का प्रेम दर्शायें।
- एक मन और एक मस्तिष्क होकर जैसे यीशु मसीह ने सेवकाई की चर्चों द्वारा भी सेवकाई की जाये।
- बच्चे परमेश्वर के प्रेम का उदाहरण बनें तथा उसके अगुवे बनें।
- बच्चे व्यस्कों के साथ मिलकर यीशु मसीह के लिये काम करें।

**विचारणीय उत्तरदायित्त्व**

हम अन्य धर्मों के साथ रहने की चुनौतियों का कैसे उत्तर देगें। दो प्रकार की प्रतिक्रियायें हो सकती हैं एक तो भय के मारे चुपचाप अपने घरों में बैठ जायें या उनका विरोध करें तथा बाहर निकलकर लड़ाई करें जिससे हमारे परमेश्वर का या पड़ोसी का निरादर हो। जब हम बच्चों की सुरक्षा के बारे में सोच रहें हैं तो हमें सन्तुलन बनाकर रखना होगा जिससे नम्रता से जो हमारे पास आशा है उसमें विश्वास रखें। यीशु मसीह की प्रार्थना जो यूहन्ना 17 में है उसमें पूर्ण रूप से आशा है, जिससे संसार परमेश्वर के प्रेम को हमारे जीवनों द्वारा जो महिमा मिले उसे जानें। तब यह हमारे लिये चुनौती होगी कि हम परमेश्वर की महिमा में चलें और उसका आदर करें। अधिक जानकारी के लिये

www.viva.org/pray

अधिक जानकारी के लिये कृपया इस वेबसाईट का प्रयोग करें।

- इस निर्देशन प्रार्थना पुस्तिका को डाऊनलोड करें ।

इस पुस्तिका का अनुवाद

- उद्देश्य की विस्तार से बताने के लिए पावर पोइन्ट प्रस्तुति है।
- संसार में बच्चों की आवश्यकताओं के बारे में ज्यादा जानकारी

## इसके बाद हम क्या कर सकते हैं?

<u>ई.मेल साधन</u> : जो बच्चे खतरे में है उनका समाचार

यदि आप छोटे समूह में या पूरी कलीसिया के रूप में लगातार प्रार्थना करना चाहते है तो हमारे ईमेल के द्वारा जो बच्चे ख़तरे में हैं उन की ताज़ा जानकारी पायें। हर 15 दिन बाद हम आपको जिन विषयों से बच्चें प्रभावित होते हैं बतायेंगें तथा प्रार्थना निवेदन की सेवकाई व नेटवर्को के बारे में जो बच्चे ख़तरे में हैं उनकी सहायता करते हैं जानकारी देगें। आप आराधना के समय इन बच्चों के लिये प्रार्थना करने का समय निश्चित कर सकते हैं या जो एक जैसे मन के मसीही चाहे एक ही चर्च के हो या दूसरे चर्च के भी हों साथ मिलकर महीने में एक बार प्रार्थना का समय रख सकते हैं।

### वीवा प्रार्थना डायरी

यदि आप प्रतिदिन निजी या पारिवारिक रूप में इन बच्चों के लिये प्रार्थना करना चाहते हैं तो वीवा प्रार्थना डायरी को डाउन लोड कर सकते हैं।

http:/www.viva.org/prayerdiary.aspx

या हमें ईमेल कर सकते है जिससे आप हर तीसरे महीने ई-मेल में भेजे गये सन्देश को पढ़ सकें। प्रार्थना के लिये विनती व्यक्तिगत रूप से बच्चों के लिये, प्रोजेक्ट तथा नेटवर्क के लिये प्रतिदिन की जाती है, इससे सम्बधित बाइबल पद भी होते हैं। यह प्रार्थना डायरी 3 महीने में एक बार प्रकाशित होती है।

दान दें

यदि आपके चर्च के सदस्य जो बच्चे ख़तरे में हैं उनकी आर्थिक रूप से सहायता करना चाहते हैं तो वीवा संस्था के द्वारा दे सकते है। आपके द्वारा दिया गया दान संसार में जो बहुत से मसीही हैं तथा इन पिछड़ें हुये बच्चों के जीवन में बदलाव लाने के लिये काम कर रहें है उसमें प्रयोग किया जायेगा। कृपया ऑन लाईन दान देने के लिये आप हमारी वेबसाईट देखें।

### प्रत्युत्तर

आपके द्वारा भेजा गया प्रत्युत्तर हमारे लिये महत्त्वपूर्ण है तथा हम जानना चाहते हैं कि आपने हमारी निर्देश पुस्तिका का प्रयोग कैसे किया। आप 2 साधारण काम करके हमारी सहायता कर सकते हैं।

1. यदि आप प्रार्थना सभा का आयोजन करना चाहते हैं तो उसकी जानकारी हमें pray@viva.org पर दें।
2. अपना प्रत्युत्तर ऑन लाईन प्रश्नावली <u>www.viva.org</u> में भर सकते है या ईमेल <u>pray@viva.org</u> में निम्नलिखित जानकारी भेज सकते हैं :-

- यह सभा कहाँ हुई थी
- कितने व्यस्क तथा बच्चों ने इसमें भाग लिया।
- इस सभा में कितना समय लगा?
- क्या पुस्तिका लाभदायक थी, आपने इसे कैसे प्रयोग किया?
- आपकी प्रार्थना सभा की क्या विशेषतायें थी?

यदि आप पहले से ही अपनी प्रार्थना सभा के बारे में बता देगें तो हम अपने समुदाय के पृष्ठ में विज्ञापन दे कर आपके क्षेत्र के लोगों को भी आमन्त्रित कर सकते हैं। आप हमें निम्मलिखित पते पर अपना प्रत्युत्तर लिख सकते हैं :-
वीवा यूनिट 8, द गैलरी, 54 मारस्टन स्ट्रीट ऑक्सफोर्ड, ओ एक्स 4, 1 एल एफ, यू.के.

## VIVA
## Together for children

बच्चे पीड़ा सह रहे हैं। यह हम जानते है। हज़ारों व्यक्ति उनकी सहायता करने के लिये काम कर रहें है। यह भी हम जानते है।

जबकि समस्या निरन्तर बढ़ती जा रही है। बच्चे अभी भी पीड़ा सह रहें है। पूरे संसार के शहरों में सभी प्रोजेक्ट बहुत काम कर रहे हैं। लेकिन धन, व्यक्ति व समय की कमी के कारण कुछ सीमा तक ही वह उद्देश्य को पूरा कर सकते हैं।

**हमें साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता है।**
कल्पना करें यदि जो बच्चे ख़तरे में हैं उनकी देखभाल करने वाले कार्यकर्ता मिलकर काम करें? क्या हो यदि बच्चों की देखभाल करने वाले कार्यकर्त्ता स्थानीय चर्च, सरकार तथा अर्न्तराष्ट्रीय दूसरों की भलाई करने वाले एक साथ मिलकर बच्चे जिन समस्याओं का सामना कर रहें है उसका हल निकालें।

**सारे शहर परिवर्तित हो सकते हैं।**
जब हम सक मिलकर काम करते हैं तो उस शक्ति द्वारा हम बच्चों के लिये परिवर्तन ला सकते हैं, उस समस्या के घेरे से भाग कर नहीं परन्तु संघर्ष करके उसे जड़ से निकाल सकते है।

**वीवा में हम यही कर रहे हैं।**

44 सिटी वाईड नेटवर्क में हम जो बच्चे खतरे में हैं उनके लिये एकता, विशेषता तथा क्षमता लाते हैं, जिससे हम सब मिलकर एक मिलियन बच्चों के जीवन में बदलाव ला सकें।

वीवा, यूनिट8, द गैलरी 54 मारस्टन स्ट्रीट, ऑक्सफोर्ड, यूनाटेड किंगडम, ओ एक्स 4, 1 एल एफ

E-mail : enquiries@viva.org Telephone: +44 (0)1865811660 Website : www. viva.org

वीवा नेटवर्क का काम करने वाली संस्था का नाम वीवा है। वीवा नेटवर्क की लिमिटेड कम्पनी का गारन्टी नम्बरः 3162776 है, यह दान पर निर्भर रहने वाली संस्था है जिस का नम्बरः 1053389 है और इंगलैण्ड में रजिस्टर हुई है, इस का पता हैः-
यूनिट 8, द गैलरी 54 मारस्टन स्ट्रीट, आॅक्सफोर्ड, ओ एक्स 4, 1 एल एफ
यू.के।